एमपी पावर मैनेजमेंट कम्पनी लिमिटेड, जबलपुर

समाचार

मध्यप्रदेश के बिजली उत्पादन सेक्टर में महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज

मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कम्पनी ने श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना की 660 मेगावाट की पहली सुपर क्रिटिकल ताप विद्युत् इकाई का रिकार्ड समय में की सिंक्रोनाइज कोल मिल एवं कोल बर्नरों के परीक्षण सहित टेस्ट रिकॉर्ड समय पर पूर्ण

जबलपुर, 27 अप्रैल। मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कम्पनी ने आज 27 अप्रैल को शाम 6.30 बजे श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना खण्डवा की दूसरे चरण में निर्मित होने वाली सुपर क्रिटिकल तकनीक पर आधारित 660 मेगावाट क्षमता की इकाई क्रमांक-एक का टेस्ट सिंक्रोनाइजेशन सफलतापूर्वक कर लिया। आज इकाई का कोल मिल एवं कोल बर्नरों के परीक्षण किया गया। यह क्रियान्वयन 39 माह 28 दिनों के रिकार्ड समय में पूर्ण किया गया, जो कि देश के बिजली उत्पादन इकाईयों की स्थापना में एक कीर्तिमान है। इकाई के सिंक्रोनाइजेशन के समय मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड के प्रबंध संचालक श्री ए. के. नंदा, डायरेक्टर टेक्नीकल श्री ए. के. टेलर, डायरेक्टर कॉमर्शियल श्री मनजीत सिंह और ताप विद्युत गृह के कार्यपालक निदेशक श्री बी. एल. नेवल, एल. एन्ड टी. के वाईस प्रेसिडेंट श्री डी. एम. शाह एवं प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्री हितेंद्र पुनिवाला सहित मध्य प्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी एवं एल.एन्ड टी. के अभियंता व कार्मिक उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी की इस सफलता पर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, ऊर्जा मंत्री श्री पारस चंद्र जैन और प्रदेश के प्रमुख सचिव (ऊर्जा) श्री आई. सी. पी. केशरी ने पावर जनरेटिंग कंपनी एवं एल. एन्ड टी. के सभी अभियंताओं व कार्मिकों को इस अभूतपूर्व उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने यह आशा व्यक्त की कि इस इकाई से वाणिज्यिक उत्पादन समय पर आरम्भ होने के साथ ही निर्माणाधीन द्वितीय इकाई भी समय पर क्रियाशील हो जाएगी।

प्रमुख सचिव (ऊर्जा) श्री आई. सी. पी. केशरी ने कहा कि इस 660 मेगावाट इकाई का टेस्ट सिंक्रोनाइजेशन मात्र 40 माह से कम समय में कर मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कम्पनी ने एक अद्वितीय कीर्तिमान स्थापित किया है| उल्लेखनीय है की यह मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कम्पनी की सबसे अधिक क्षमता की इकाई होने के साथ-साथ उच्च तापीय दक्षता पर आधारित सुपर क्रिटिकल तकनीक पर आधारित है, जिसका निर्माण एल. एन्ड टी. पॉवर एवं उनकी संयुक्त उपक्रमों के तकनीकी सहयोग से पूर्ण किया गया है।

समाचार क्रमांक: 198/2018

(राकेश पाठक)
वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी